بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡد

لَا اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ

دفتر مجلس انصاراللہ بھارت

Office Of The Majlis Ansarullah Bharat

Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA

**सारांश ख़ुत्बः जुम्अः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा 2 अगस्त 2024 स्थान मस्जिद मुबारक, इस्लामाबाद, यू.के.**

# जलसा सालाना बर्तानियः 2024 के हवाले से अवतरित होने वाली अनुकम्पाओं तथा ग़ैर अज़-जमाअत मेहमानों की अभिव्यक्तियों का वर्णन।

Mob: 9682536974 E.mail. ansarullah@qadian.in Khulasa khutba-02.08.24

محلہ احمدیہ قادیان پنجاب 143516

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ

امّا بعد فاعوذ باللہ من الشیطٰن الرجیم۔ بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ

اَلۡحَمۡدُ لِلّٰہِ رَبِّ الۡعٰلَمِیۡنَ ۔ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ ۔ مٰلِکِ یَوۡمِ الدِّیۡنِ ۔ اِیَّاکَ نَعۡبُدُ وَاِیَّاکَ نَسۡتَعِیۡنُ ۔ اِہۡدِنَا الصِّرَاطَ الۡمُسۡتَقِیۡمَ ۔ صِرَاطَ الَّذِیۡنَ اَنۡعَمۡتَ عَلَیۡہِمۡ غَیۡرِ الۡمَغۡضُوۡبِ عَلَیۡہِمۡ وَلَا الضَّآلِّیۡنَ۔

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया- अलहम्दुलिल्लाह! गत सप्ताह जलसा सालाना अल्लाह तआला के फ़ज़्लों के दृश्य दिखाता हुआ सम्पन्न हुआ। ये तीन दिन बड़े बरकतों वाले दिन थे जिन्होंने अपनों तथा ग़ैरों, सब पर एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ा। कुछ ग़ैर लोगों की अभिव्यक्तियाँ बयान करूँगा परन्तु इससे पहले मैं कार्य-कर्ताओं को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने जलसे से पहले, जलसे के बीच में तथा जलसे के बाद भी व्यवस्था करने तथा समेटने में अपनी भूमिका निभाई तथा अब भी निभा रहे हैं। अल्लाह तआला की कृपा से जमाअत के लोग, महिलाएँ, पुरुष तथा बच्चे, इन सबकी ऐसी प्रतिभाएँ हैं कि जिसकी प्रशंसा ग़ैर भी करते हैं और यह गुप्त तबलीग़ होती है जो ये कारकुन अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह करते हुए कर रहे होते हैं। जलसे के समस्त विभागों के कार्य-कर्ताओं की इसमें महत्त्व पूर्ण भूमिका है, चाहे वह प्रवेश मार्गों, गेट, चैकिंग, पार्किंग, खाना खिलाने, खाना पकाने अथवा सफ़ाई पर हैं।

बच्चों की ड्यूटियाँ हैं जो पानी पिलाने अथवा भिन्न भिन्न स्थानों पर ड्यूटियाँ दे रहे हैं। हर एक दृष्टि से हर एक विभाग बड़ा सक्रिय दिखाई देता है तथा धन्यवाद का पात्र है।

अनेक लोग इस बारे में प्रशंसनीय वाक्य कारकुनों के लिए कहते हैं, लिख कर भेजते हैं तथा अपनी अभिव्यक्तियाँ भी छोड़ कर जाते हैं। विश्व के विभिन्न देशों में बैठे हुए लोग भी आभारी हैं कि हमें एम.टी.ए. के माध्यम स जलसे के प्रोग्राम सुन्दर रंग में पहुंचे। अतएव इन सब कारकुनों को मैं भी धन्यवाद देना चाहता हूँ। इस साल बर्तानियः के कार्य-कर्ताओं के साथ मॉरीशस से भी पहली बार बड़ी संख्या में ख़ुददाम तथा अन्य कार्य-कर्ता आए और बड़ा अच्छा काम किया। कैनेडा से ख़ुद्दाम आए हैं जो वाईन्ड-अप में सहायता कर रहे हैं, अल्लाह तआला इन सबको सुन्दर बदला दे।

प्रैस तथा मीडिया की कवरेज भी इस साल बहुत हुई है। ट्रैफ़िक की व्यवस्था बड़ी अच्छी थी, पड़ौसी भी ख़ुश हो रहे हैं। उनके विचार में सम्भवतः गत वर्ष की तुलना में उपस्थिति कम थी, जो इतनी सरलता के साथ ट्रैफ़िक चलता रहा। जबकि उपस्थिति पिछले साल से दो हज़ार अधिक थी तथा जब उनको यह बताया गया तो बड़े चकित हुए। माशाअल्लाह बड़ी अच्छी व्यवस्था थी। इस इलाक़े के एक कौन्सलर अहमदी हैं जो मुरब्बी भी हैं, उन्होंने सब पड़ौसियों से सम्बंध स्थापित करने तथा ट्रैफ़िक की योजना बनाने में बड़ी अच्छी भूमिका निभाई, अल्लाह तआला उन्हें भी जज़ा दे।

अल्लाह तआला अभिव्यक्तियाँ व्यक्त करने वालों के दिलों को भी खोले तथा वे अहमदियत के सन्देश को समझने वाले हों तथा हम उस उद्देश्य को प्राप्त करने वाले हों जो हज़रत मसीह अलैहिस्सलाम की नियुक्ति का उद्देश्य था, फिर ये तीन दिन ही नहीं बल्कि इनको अपने जीवन का अंश भी हम बनाएँ।

फ्रंच गयाना से इसमाईल साहब जलसे म शामिल हुए, जलसे में उनको बैअत करने की तौफ़ीक़ भी मिली, कहते हैं कि मैंने अपने जीवन में ऐसा समारोह जहाँ विश्व की समस्त बड़ी भाषाएँ तथा नस्लें जमा हों, कभी नहीं देखा। इस जलसे में शामिल होकर ख़ाकसार का ईमान,सुदृढ़ विश्वास से बदल गया कि यह सच्ची तथा मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की जमाअत है, यदि हमने हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पुकार पर लब्बैक कहते हुए मसीह मौऊद अलै. को इमामुज़्ज़माँ न माना तो हम पथभ्रष्ट हो जाएंगे।

जापान से आए हुए बुद्धमत के चीफ़ प्रोस्ट साहब कहते हैं कि पहले दिन से लेकर अन्तिम दिन के अन्तिम पलों तक कार्य-कर्ताओं का उत्साह एवं भावना वैसे ही क़ायम एवं स्थिर थीं जैसा कि आरम्भ में। उन्होंने मुझसे भी मुलाक़ात की थी तथा मैंने उनको कहा था कि एक ख़ुदा पर ईमान होना अनिवार्य है, इसके बारे में सोचें तथा विचारें। कहते हैं कि मैं बुद्धमत का अनुयायी होने के कारण पारम्परिक रूप में तो ख़ुदा को नहीं मानता किन्तु मेरा दिल यही कहता है कि इस सृष्टि का कोइ एक रचीयता तथा स्वामी है तथा हम सब उसकी रचना हैं तथा हम उस रचनाकार, पालनहार एवं स्वामी की निकटता प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार उनके दिल में कुछ न कुछ अल्लाह तआला की ओर क़दम बढ़ाने का विचार पैदा हुआ।

कोसोवो के एक मेहमान कहते हैं कि वर्तमान ख़लीफ़ः के सम्बोधन सुनकर अपने भीतर एक बदलाव उत्पन्न होते हुए देखता हूँ। इस वातावरण ने मेरे भीतर इस्लाम अहमदियत की एक मुहब्बत भर दी है। जहाँ मैं जाऊँगा, लोगों को इसकी ओर ध्यान दिलाऊँगा कि अहमदियत की मूल शिक्षा को पढ़ें।

चिली की नैश्नल सरकार में डारैक्टर ऑफ़ वर्शिप के रूप में काम करने वाले एक मेहमान कहते हैं कि मैंने अहमदिया जमाअत के बारे में देश में स्थापित मुस्लिम संस्थाओं से बात की तो सबने नकारात्मक प्रतिक्रियाएँ दीं जिनका सारांश यही था कि ये मुसलमान नहीं हैं। जलसे में आपके ख़लीफ़ः से बात हुई जिसके बाद मैं वादा करता हूँ कि अपनी भरपूर भूमिका निर्वाह करूँगा तथा अपने आधीन लोगों के सामने अपने निजि अनुभव बयान करूँगा कि अहमदी न केवल मुसलमान हैं बल्कि अति उत्तम एवं अद्वित्तीय मुसलमान हैं।

हॉलैन्ड से एक महिला कहती हैं कि इस जलसे में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से असंख्य लोग आए हुए थे, बन्धुत्व का अद्भुत प्रदर्शन था। विश्व बैअत वाला समागम जीवन भर याद रखूँगी। विश्व में हर एक व्यक्ति मानवता के लिए अधिक चेतना, जागरण तथा सहानुभूति पैदा करे, जैसे जमाअत कर रही है तो निःसन्देह विश्व की समस्याओं का निवारण किया जा सकता है।

अर्जन्टाईन की नैश्नल सैकरेटरी ऑफ़ वर्शिप के प्रतिनिधि मंडल में आए हुए एक मेहमान बयान करते हैं कि मैंने आपकी जमाअत के जलसे को इस दृष्टि से देखा कि हमें भी ऐसा ही होना चाहिए और किस सुन्दर कोशिश एवं अनुशासन के साथ आपने इतने बड़े समागम का प्रबन्ध किया जो हमारे देश में असम्भव है। ख़लीफ़ः का महिलाओं से सम्बोधन मुझे अच्छा लगा। आप लोग समाज के दबाव तथा पश्चिमी दुनिया के प्रभाव के बावजूद सुदृढ़ता पूर्वक अपने नियमों पर स्थापित हैं।

ताईवान से आई हुइ एक मेहमान डाक्टर कहती हैं कि मैंने इतनी बड़ी कानफ्रन्स कभी नहीं देखी, जिसकी व्यवस्था स्वयं सेवी कर रहे हों। लजना से सम्बोधन के समय प्रकट हो रहा था कि अहमदी बच्चियाँ तथा युवा पीढ़ी अपने ख़लीफ़ः से मुहब्बत करती है।

कैनेडा से एक मेहमान यासीन अहमदी साहब कहते हैं कि मैंने अहमदिया जलसा सालाना को दीन के रूप में बुद्धि एवं विवेक का एक भव्य प्रदर्शन पाया। अहमदियों की शान, प्रतिष्ठा, धैर्य, संतोष तथा इस्लामी शिक्षाओं की संतुलित व्याख्या शताब्दियों के धार्मिक रक्तपात तथा कट्टरवाद के बाद अल्लाह की हिदायत की छांव में एक आनन्द तथा शांति पूर्ण जीवन की पुकार थी।

यूरागोए की एक ग़ैर अज़-जमाअत जर्निस्ट कहती हैं कि जलसा सालान का मेरे आध्यात्मिक जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ा है। मेरे लिए सबसे यादगार पल पुरुषों को अल्लाह तआला से दुआ के समय रोते हुए देखना था।

कोस्टा रीका से आई हुई एक मेहमान कहती हैं कि जलसा सालाना में सम्मिलित होकर मुझे आश्चर्य भी हुआ तथा प्रसन्नता भी, कि अहमदिया जमाअत में स्त्री को पुरुष के समान काम दिया जाता है।

आईस लैन्ड के एक मेहमान कहते हैं कि जलसे में इतनी बड़ी संख्या के बावजूद पर्दे का ध्यान रखा जा रहा था, यह कोई छोटी बात नहीं है।

हुज़ूरे अनवर ने तंज़ानिया,सीरालियोन,स्पेन,ब्राज़ील,पोलैन्ड तथा अन्य देशों के मेहमानों की अभिव्यक्तियाँ बयान करने के बाद फ़रमाया कि ये कुछ अभिव्यक्तियाँ थीं जो मैंने बयान कीं। जलसा सालान के परिणाम स्वरूप बैअतों की रिपोर्ट इस प्रकार है कि गिनी बसाओ के एक गाँव के नम्बरदार की बचासी लोगों के साथ बैअत हुई। तंज़ानियः में एक गाँव के इमाम मस्जिद तथा नाईजर में एक मदर्से की अध्यापिका की बैअत हुई। कांगोब्राज़ावैल में जलसे के चलते बारह लोगों ने बैअत की। तबलीग़ी विभाग यू.के. की रिपोर्ट यह है कि जलसे के समय यू.के. से सम्बंध रखने वाले बाईस दास्तों को बैअत करने की तौफ़ीक़ मिली, जबकि एक हज़ार ग़ैर अहमदी मेहमान जलसे में शामिल हुए।

ऑनलाईन कवरेज की रिपोर्ट यह है कि इस साल पचास वैबसाईट्स पर जलसे के समाचार पढ़ने वालों की संख्या पन्द्रह मिलयन बताई जाती है। प्रिन्ट कवरेज निबन्धों की संख्या चौदह है तथा उन समाचार पत्रों क पाठकों की संख्या पाँच मिलयन बताई जाती है। टी.वी. तथा रेडियों के माध्यम से देखने वालों की संख्या दस मिलयन बताई जाती है। विभिन्न रेडियो स्टेशन्ज़ पर सुनने वालों की संख्या भी दस मिलयन है। इसी प्रकार मख़ज़ने तसावोर (प्रदर्शनी) इतिहास तथा अन्य विभागों की प्रदर्शनियों को देख कर भी बहुत सारे लोग प्रभावित हुए हैं। ये सब प्रदर्शनियाँ भी एक प्रकार की तबलीग़ का माध्यम बनी हैं। अल्लाह तआला के फ़ज़्ल से लगभग छयासी मिलयन से अधिक लोगों ने जलसा सालाना के समाचार देखे, सुने तथा अगले कुछ दिनों में और अधिक कवरेज की सम्भावना है।

हुज़ूरे अनवर ने फ़रमाया कि अल्लाह तआला की कृपा से जहाँ यह जलसा अपनों के लिए दीक्षा एवं रूहानियत में उन्नति का कारण बना, वहाँ ग़ैरों को भी इस्लाम की शिक्षा को समझने तथा उन्हें ख़ुदा तआला के निकट लाने का साधन बना है। अतः इसके लिए जहाँ हमें अल्लाह तआला के आगे और अधिक झुकना चाहिए, उसका आभारी होना चाहिए, वहाँ उस संकल्प पर भी क़ायम रहना चाहिए कि हम सदैव अल्लाह तआला तथा हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के पैग़ाम को पहुंचाने के लिए पहले से बढ़ कर कोशिश करते रहेंगे, अल्लाह तआला इसका सामर्थ्य प्रदान करे।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

**हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, समपर्क करें-9781831652**

**टोल फ्री नम्बर अहमदिय्या मुस्लिम जमाअत, क़ादियान, पंजाब-18001032131**